गोस्सनर कॉलेज. क्षेत्रीय भाषा कवि गोष्ठी में महादेव टोप्पो ने कहा

झारखंड के कवियों की आवाज देश ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी सुन रहे लोग

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, रांची और गोस्सनर कॉलेज की ओर से शुक्रवार को द्वितीय जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि महादेव टोप्पो थे. उन्होंने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि जब वे अपनी भाषा में लिखना शुरू कर रहे थे, तो लोग कहते थे लोक भाषाओं की कविताओं को कौन पढ़ेगा? आज स्थिति अलग है.

झारखंड के कवियों की आवाज को भारत ही नहीं, इसके बाहर भी लोग गंभीरता से सुन रहे हैं. उनके ज्ञान, उनकी जीवनशैली को गर्व से अपना रहे हैं.

कविता आदमी को मनुष्य बनाती है : विशिष्ट अतिथि कॉलेज की प्रो इंचार्ज इलानी पूर्ति ने कहा कि काया आदमी का होने से कोई मनुष्य नहीं होता है. कविता आदमी को मनुष्य बनाती है. कविता जीवन की गहराई से आती है. कवि यथार्थ जीवन में घटित घटनाओं को अपनी आंखों से देखता है. उनकी दृष्टि दूसरों से भिन्न होती है. कवियों ने हिंदी सहित झारखंड की विभिन्न क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं में अपनी कविताओं का पाठ किया. इसमें विनोद कुमार (खोरठा), आशीष कुमार (हिंदी), अनिमा तेलरा(बिरजिया), रतन कुमार महतो(कुरमाली), डॉ हेमंत टोप्पो (कुड़ुख), डॉ प्रशांत गौरव (हिंदी), डॉ अमित कुमार (खोरठा), तिलक सिंह मुंडा (पंचपरगनिया), डॉ हाराधन कोइरी (पंचपरगनिया), सुचीत कुमार राय (खोरठा), डॉ जॉन कंडुलना(मुंडारी), डॉ ठाकुर प्रसाद मुर्मू (संताली), सुधीर साहू (नागपुरी), प्रो फ्रांसिस मुर्मू (संताली), प्रो आइजक कंडुलना (मुंडारी) प्रमुख थे. संचालन डॉ कमल बोस और आभार ज्ञापन डॉ ईवा मार्ग्रेट हंसदा ने किया.

गोस्सनर कॉलेज में आयोजित कार्यक्रम में शामिल साहित्यकार.

prabhatkhabar.com
पर रांची की खबरें देखने के लिए स्कैन करें

झारखंड

आदिवासियों के ज्ञान व जीवनशैली को दुनिया के लोग अपना रहे हैं : महादेव टोप्पो

जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा कवि गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

रांची। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, रांची और गोस्सनर कॉलेज की ओर से शुक्रवार को द्वितीय जनजातीय और क्षेत्रीय भाषा कवि गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महादेव टोप्पो थे।इससे पहले इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ संजय कुमार झा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।कवि गोष्ठी कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि प्रसिद्ध कवि सह साहित्य अकादमी दिल्ली के सदस्य महादेव टोप्पो ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज आदिवासियों के ज्ञान और जीवनशैली को पूरी दुनिया के लोग गर्व से अपना रहे हैं।

लेखक महादेव टोप्पो ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा कि जब वे अपनी भाषा में लिखना शुरू कर

रहा था तो लोग कहते थे लोक भाषाओं की कविताओं को कौन पढ़ेगा ? आज स्थिति अलग है।झारखंड के कवियों की आवाज को भारत ही नहीं इसके बाहर भी लोग गंभीरता से सुन रहे हैं और उनके ज्ञान, उनकी जीवनशैली को गर्व से अपना रहे हैं।वहीं, विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद महाविद्यालय की प्रो इंचार्ज इलानी पूर्ति ने कहा कि काया आदमी का होने से कोई मनुष्य नहीं होता है। कविता आदमी को मनुष्य बनाती है. कविता जीवन की गहराई से आती है। कवि यथार्थ जीवन में घटित घटनाओं को अपनी आंखों से देखता है।उनकी दृष्टि दूसरों से भिन्न होती है। मौके पर झारखंड के विभिन्न राज्यों से आए कवियों ने हिंदी सहित झारखंड की विभिन्न क्षेत्रीय और जनजातीय भाषाओं में अपनी कविताओं का पाठ किया।जिसमें विनोद कुमार (खोरठा), आशीष कुमार (हिंदी), अनिमा तेलरा(बिरजिया), रतन कुमार महतो(कुरमाली), डॉ हेमंत टोप्पो (कुड़ुख), डॉ प्रशांत गौरव (हिंदी), डॉ अमित कुमार (खोरठा), तिलक सिंह मुंडा (पंचपरगनिया), डॉ हाराधन कोइरी (पंचपरगनिया), सुचीत कुमार राय (खोरठा), डॉ जॉन कंडुलना(मुंडारी), डॉ ठाकुर प्रसाद मुर्मू (संताली), सुधीर साहू (नागपुरी), प्रो.फ्रांसिस मुर्मू (संताली), प्रो.आइजक कंडुलना(मुंडारी) प्रमुख थे। कार्यक्रम का संचालन संत जेवियर कॉलेज रांची के पूर्व हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ कमल बोस ने किया।वहीं, आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ ईवा मार्ग्रेट हंसदा ने किया।